दैनिक भास्कर
२५/८/२०१९

स्टूडेंट्स की मेंटरिंग के लिए दुनियाभर में फैले एक्स स्टूडेंट्स बुलाएगा IMS

विभाग के गोल्डन जुबली लेक्चर सीरिज के पहले लेक्चर में डॉ. संगीता जैन ने कहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

अभय जीरे

डॉ. रेणु जैन

रूपेश त्रिपाठी

तीन कॉन्क्लेव और दिसंबर में एलुमनाई मीट की जाएगी

इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) ने पचास सालों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पूर्व कुलपतियों, निदेशकों और शिक्षकों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। आने वाले सालों में विभाग को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के प्रयास करेंगे। इसके लिए देश-विदेश में फैले पूर्व स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा ताकि वे वर्तमान स्टूडेंट्स मेंटरिंग कर सकें। एकेडमिक कॉन्फ्रेंस और इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के जरिए संस्थान को इटरनेशनल एकेडमिशियन्स और कॉर्पोरेट के साथ जोड़ने का प्रयास भी कर रहे हैं। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के आईएमएस के पचास साल पूरे होने के मौके पर विभाग में आयोजित गोल्डन जुबली लेक्चर सीरिज के पहले लेक्चर में ये बातें विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता जैन ने कही। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मानव संसाधन विकास मंत्रलाय के चीफ इनोवेशन ऑफिसर अभय जीरे, केपीएमजी कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रूपेश त्रिपाठी और वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिंदर धर डीएवीवी की कुलपति डॉ. रेणु जैन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डॉ. संगीता जैन ने बताया कि हम हेल्थ, मार्केटिंग और फायनेंस पर आधारित तीन इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित करने जा रहे हैं। इसमें संबंधित कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स को बुलाया जाएगा। एकेडमिक्स को अपग्रेड करने के लिए एक कॉन्फ्रेंस भी होगी जिसे इंटरनेशनल बनाने की कोशिश की जा रही है। विभाग के विकास में पूर्व स्टूडेंट्स का सहयोग भी महत्वपूर्ण है इसलिए दुनियाभर में फैले आईएमएस के पूर्व स्टूडेंट्स को संस्थान से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। दिसंबर में एलुमनाई मीट में करीब एक हजार स्टूडेंट्स को बुलाएंगे।

भविष्य के रोजगार के लिए खुद को करें तैयार

केपीएमजी के रूपेश त्रिपाठी ने कहा कि जो लोग बीस साल पहले एसटीडी पीसीओ या कैमरा रोल जैसे कामों में थे वे आज कुछ और कर रहे हैं। जॉब मार्केट हर दिन बदल रहा है। आपको भी बदलना होगा। डॉ. उपिंदर धर और डीएवीवी की कुलपति डॉ. रेणु जैन ने भी संबोधित किया।

इनोवेशन को कल्चर बनाए डीएवीवी, एमएचआरडी करेगा मदद

एमएचआरडी के चीफ इनोवेशन ऑफिसर अभय जीरे कहा कि हमारे देश में अभी इनोवेशन का कल्चर नहीं है। इसे विकसित करना होगा। इनोवेशन का मतलब सिर्फ बड़े काम करना नहीं बल्कि छोटी चीजों पर भी काम करें। कुछ समय पहले हमने सभी मंत्रालयों से उनकी समस्याएं बुलवाई थी ताकि उनका इनोवेटिव सॉल्यूशन दे सकें। सभी जगह से बहुत ही छोटी-छोटी समस्याएं हमारे पास आईं। भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर ने बताया कि दस हजार कर्मचारी हैं। सभी के आने जाने पर कैमरे से नजर रखी जाती है लेकिन ये पता नहीं लगता कि कौन कर्मचारी है और कौन बाहरी व्यक्ति। इसके लिए फेस डिटेक्शन सॉफ्टवेयर डेवलप किया जा रहा है। डीएवीवी भी अपने स्टूडेंट्स को इनोवेशन के लिए प्रोत्साहित करे। एमएचआरडी के पास कई योजनाएं हैं जो इसमें सहयोग करेंगी।